रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 29 अक्टूबर, 2026

वर्ष 02 | अंक 256 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 शुरु :

इंदौर-भोपाल के बीच बनेगा एक लाख करोड़ का औद्योगिक रोडमैप

2047 तक इंदौर में 20 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य

6 एमओयू पर हस्ताक्षर; विजयवर्गीय की टिप्पणी पर ठहाकों से गूंजा मंच





इंदौर। आकाशवाणी से एक कार्यक्रम प्रसारित होता था पंचरंग, आज अर्बन कॉन्क्लेव में एक साथ कई योजानाओं में मानो सभी रंग भर कर इसे रंगीन कर दिया। मध्यप्रदेश में चंहू और विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। इंदौर से भोपाल के बीच एक लाख करोड़ करोड़ औद्योगिक रोड़मैप बनने से यह देश का मुख्य इकोनॉमिकल कारिडोर बनेगा। रोड़ ज्यादा चौड़े होंगे तो यहां पर सौ मंजिला ऊंचे भवन बनेंगे। जिससे खेती की जमीन भी बचेगी और लाखों लोगो को रोजगार भी मिलेगा। अभी तक प्रदेश में पांच दस मंजिला बिल्डींग ही बनती थी। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ब्रिलियंट कनवेशंन हॉल में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव में कही। अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का शुभारंभ सोलर राउंड टेबल से हुआ। भोपाल से इंदौर के बीच एक लाख करोड़ का औद्योगिक रोडमैप बनेगा। यह देश का मुख्य इकोनॉमिकल केंद्र होगा। इंदौर एवं भोपाल से अधिकतर बड़े देशों के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने की योजना पर काम हो रहा है। सीएम ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के पास करोड़ों के मकान थे लेकिन मकान के दस्तावेज नहीं थे। वो लोग लोन नहीं ले पाते थे, व्यापार नहीं कर पाते थे। सरकार ने उन्हें निःशुल्क रजिस्ट्री करके दी। मध्यप्रदेश धार्मिक पर्यटन में भारत का मुख्य केंद्र बनता जा रहा है। दुनियाभर के होटल इंडस्ट्री के बड़े ब्रांड भी मध्यप्रदेश में आ चुके हैं।

मध्यप्रदेश ने टेंपल बॉन्ड और ग्रीन बॉन्ड की शुरुआत की - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केवल मकान बना देना मात्र उद्देश्य नही है वरन सही व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार व्यवस्थित केन्द्र के रूप में हमारे शहर विकसित हों। यही अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव का लक्ष्य है। शहरी विकास में निजी निवेश की पहल से शहर का संपूर्ण विकास जैसे आवास, नई तकनिकी ऊर्जा, शुद्ध पेयजल सुविधा का प्रबंधन जैसे प्रत्येक क्षेत्र में गरीब, मध्यमवर्गीय सहित सभी की भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह आयोजन एक पंचरंगी कार्यक्रम की तरह है। मध्यप्रदेश देश का पहला प्रदेश है जिसने टेंपल बॉन्ड और ग्रीन बॉन्ड की शुरुआत की है। उज्जैन में वर्ष 2022 में जहां 10 लाख श्रद्धालु आते थे महाकाल लोक बनने के बाद उनकी संख्या 7 करोड़ प्रतिवर्ष हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उज्जैन में और प्रदेश में धार्मिक पर्यटन में जेती से बढ़ोतरी हुई है। शहरों को उद्योग, निवेश और रोजगार के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में इंदौर में आयोजित अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-भोपाल के बीच एक लाख करोड़ रुपये के औद्योगिक रोडमैप की बात कही। वहीं, वर्ष 2047 तक इंदौर में 20 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। कॉन्क्लेव में शहरी विकास, जल प्रबंधन, किफायती आवास और धार्मिक पर्यटन से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए छह एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की एक टिप्पणी ने माहौल को हल्का कर दिया और मुख्यमंत्री सहित मंच पर मौजूद नेता ठहाके लगाने लगे।

इंदौर-भोपाल के बीच एक लाख करोड़ का निवेश- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहरों का विकास केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शहरों को व्यापार, उद्योग, निवेश और रोजगार के व्यवस्थित केंद्र के रूप में विकसित करना सरकार का लक्ष्य है। इंदौर-भोपाल-जबलपुर के बीच नए औद्योगिक कॉरिडोर और इंदौर रीजन में लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के विकास से निवेश को गति मिलेगी। इंदौर और उज्जैन के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए फोरलेन सड़कें विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर, उज्जैन और भोपाल को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। नीति आयोग ने इंदौर फ्यूचर सिटी का प्लान प्रस्तुत किया है। इसके तहत वर्ष 2047 तक 20 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य है। शहर में 12 से 15 नई टाउनशिप और नियोजित शहरी विकास की योजनाओं पर काम किया जाएगा।

धार्मिक पर्यटन और एयर कनेक्टिविटी पर जोर- मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने के लिए बड़े होटल ब्रांड भी प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर से अबूधाबी के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू हो चुकी है, जबकि भोपाल से बैंकॉक के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की दिशा में काम किया जा रहा है। बेहतर एयर कनेक्टिविटी से पर्यटन, व्यापार और उद्योगों को लाभ मिलेगा।

जीआईएस के निवेश को जमीन पर उतारने का दावा- मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में प्रदेश को मिले 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 30 प्रतिशत से अधिक निवेश अब तक धरातल पर उतर चुका है। सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 25 पारदर्शी नीतियों के आधार पर काम कर रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित करने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने ग्रामीण आबादी को संपत्ति के अधिकार दिलाने के लिए स्वामित्व योजना के तहत निःशुल्क रजिस्ट्री का उल्लेख किया। इससे ग्रामीण परिवारों को अपनी संपत्ति के आधार पर बैंक से ऋण लेने में मदद मिलेगी।

टेंपल बॉन्ड और ग्रीन बॉन्ड से जुटेंगे संसाधन- मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास के लिए निजी निवेश और नए वित्तीय मॉडल महत्वपूर्ण हैं। मध्यप्रदेश में टेंपल बॉन्ड और ग्रीन बॉन्ड की शुरुआत की गई है। इनके माध्यम से शहरी अधोसंरचना, आवास, नवीकरणीय ऊर्जा और पेयजल प्रबंधन जैसी परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पर जोर दिया जा रहा है।

सौर ऊर्जा पर मंथन, छह एमओयू हुए- कॉन्क्लेव की शुरुआत सोलर राउंड टेबल से हुई, जिसमें सौर ऊर्जा क्षेत्र के 20 से अधिक निवेशकों ने हिस्सा लिया। बैठक में नगरीय निकायों को सौर ऊर्जा से जोड़ने, बिजली खर्च कम करने और विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने पर चर्चा हुई। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और पूल्ड म्युनिसिपल बॉन्ड जैसे विकल्पों पर विचार किया गया। कार्यक्रम में शहरी विकास, जल प्रबंधन, किफायती आवास और धार्मिक पर्यटन से संबंधित छह एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नवाचार आधारित वित्तीय और तकनीकी मॉडल अपनाने की आवश्यकता बताई।

विजयवर्गीय बोले- रिटायरमेंट के बाद अच्छे नेता बन सकते हैं दुबे- कार्यक्रम का सबसे दिलचस्प पल उस समय आया, जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने इतना अच्छा भाषण दिया कि उनका भार हल्का कर दिया। इसके बाद विजयवर्गीय ने अंग्रेजी में कहा कि रिटायरमेंट के बाद दुबे एक बहुत अच्छे लीडर बन सकते हैं, क्योंकि उनका भाषण आत्मविश्वास से भरा और शानदार था। विजयवर्गीय की इस टिप्पणी पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित मंच पर मौजूद अन्य नेता हंस पड़े। गंभीर निवेश चर्चाओं के बीच इस हल्के-फुल्के अंदाज ने कार्यक्रम में अलग रंग भर दिया।

'अर्नब' ने आंध्र-ओडिशा में ढाया 'कहर'

- 3 लोगों की मौत, 57 हजार लोग किए गए शिफ्ट
- 50 ट्रेनें-21 फ्लाइट रद्द,एमपी-यूपी में भी अलर्ट

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'अर्नब' मंगलवार देर रात 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। यहां 125 से 135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश में 3 मौतें हुई हैं। राज्य के 31 घरों को नुकसान पहुंचा। 57 हजार लोगों को शिफ्ट किया गया है। तूफान के कारण 50 ट्रेनें और विजयवाड़ा-विशाखापट्टनम एयरपोर्ट पर 21 फ्लाइट्स रद्द की गईं। ओडिशा में भारी बारिश के चलते 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। यहां 30 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 4,000 साइक्लोन शेल्टर बनाए गए हैं। विशाखापट्टनम में रात 27 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे से 28 अक्टूबर की सुबह 3 बजे तक, यानी करीब 18 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। यह जुलाई में होने वाली औसत बारिश के डेढ़ गुना से ज्यादा है। यहां जुलाई में औसतन 133 मिमी बारिश होती है।



मछलीपट्टनम से बालासोर तक समुद्र का रौद्र रूप- आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में तेज हवाओं और भारी बारिश से मौसम खराब है। वहीं, ओडिशा के बालासोर स्थित उदयपुर बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। पूर्वी तट पर अलग-अलग जगहों के इन हालातों से हम समझ सकते हैं कि चक्रवात का असर केवल एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं है।

यानम में सड़कों पर गिरे पेड़, राहत कार्य जारी

पुडुचेरी के यानम में चक्रवात की तेज हवाओं की वजह से पेड़ सड़कों पर गिर गए हैं। रास्ते साफ करने के लिए एनडीआरएफ की टीमें जुटी हैं। तूफान के दौरान पेड़ गिरने, बिजली की लाइनें टूटने और सड़कें बाधित होने जैसी घटनाएं राहत एवं बचाव कार्य को चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। आंध्र प्रदेश के चिन्नागुम्मुलुरु में चक्रवात प्रभावित गांव का दौरा किया गया। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में पहुंचकर लोगों के लिए उपलब्ध कराई जा रही राहत सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान तस्वीरों की मदद से हम देख सकते हैं कि कैसी पानी भरा हुआ है और रास्तें में तेज हवाएं चल रही हैं।

अचानक भोपाल पहुंचे भागवत जैन मुनि से की मुलाकात

- समिधा में संघ के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ की बैठक, इंदौर रवाना

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत बुधवार सुबह अचानक भोपाल पहुंचे। यहां उन्होंने संघ कार्यालय समिधा में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद एमपी नगर के पास चातुर्मास कर रहे जैन मुनि समय सागर महाराज से मुलाकात की। मुलाकात के बाद भागवत इंदौर के लिए रवाना हो गए। वे वहां संघ के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर आयोजित 'चरैवेति-एकत्रीकरण' कार्यक्रम में शामिल होंगे। भोपाल पहुंचने पर संघ प्रमुख का स्वागत स्वप्निल कुलकर्णी, संघ के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता और कैलाश लोवंशी ने किया। भागवत का भोपाल प्रवास ऐसे समय हुआ, जब इंदौर में संघ के शताब्दी वर्ष के समापन का बड़ा आयोजन है। भोपाल प्रवास के दौरान भागवत संघ कार्यालय समिधा पहुंचे। यहां उन्होंने संघ के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद दोपहर पौने 3 बजे से शाम साढ़े 4 बजे के बीच जैन मुनि समय सागर महाराज से मुलाकात का कार्यक्रम था। मुलाकात के बाद वे इंदौर रवाना हो गए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।



बुरहानपुर से दरियापुर होकर ग्रामीण अंचलों तक पहुंच रहा नकली घी और पनीर

खकनार, डोइफोड़िया और तुकईथड़ बने मुख्य खपत केंद्र; सेहत से खिलवाड़

छापेमारी से पहले ही लीक हो जाती है खबर, नाममात्र की कार्रवाई से बुलंद मिलावटखोरों के हौसले

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में नकली खाद्य पदार्थों का अवैध कारोबार अपनी जड़ें तेजी से जमा रहा है। शहर की अवैध डेयरियों और गोपनीय ठिकानों पर तैयार होने वाला मिलावटी व केमिकल युक्त 'नकली घी और पनीर' अब गांवों की थाली में ज़हर घोल रहा है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बुरहानपुर शहर से माल लोड होकर सीधे दरियापुर मार्ग से होते हुए ग्रामीण अंचलों तक पहुँचाया जा रहा है। दरियापुर-डोइफोड़िया-खकनार-तुकईथड़ मार्ग बन चुका है, जहाँ से आसपास की दर्जनों छोटी-बड़ी दुकानों, होटलों और मांगलिक कार्यक्रमों के कैटरर्स तक नकली माल खपाया जा रहा है।

सप्लाई रूट और खपत का गणित

मिलावटखोरों ने ग्रामीण इलाकों को आसानी



से निशाना बनाया है क्योंकि यहाँ शुद्धता की जाँच के साधन सीमित हैं और असली घी-पनीर की तुलना में यह माल सस्ते दामों पर आसानी से बिक जाता है।

दरियापुर मार्गः यह बुरहानपुर शहर से माल बाहर भेजने का मुख्य ट्रांजिट पॉइंट बन चुका है। देर रात और सुबह तड़के वाहनों के ज़रिए माल यहाँ से होकर गुज़रता है। डोइफोड़िया व खकनारः बड़ी आबादी और घनी बस्तियाँ होने के कारण इन कस्बों में खपत की मात्रा सर्वाधिक है।

तुकईथड़ एवं सुदूर गाँवः सीमावर्ती इलाका होने के कारण यहाँ प्रशासनिक निगरानी बेहद कम रहती है, जिसका फायदा उठाकर मिलावटखोर बिना किसी डर के अवैध बिक्री कर रहे हैं।

कार्रवाई की पोलः पहुँचने से पहले ही मिल जाती है सूचना! स्थानीय नागरिकों और ग्रामीणों का आरोप है कि जब भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम जिला मुख्यालय से कार्रवाई के लिए निकलती है, तो गिरोह के सरगनाओं को इसकी भनक पहले ही लग जाती है। कुछ समय पूर्व डोइफोड़िया और आसपास के क्षेत्रों में जाँच की औपचारिकता निभाई गई थी, लेकिन टीम के पहुँचने से पहले ही गोदामों और दुकानों से नकली माल हटा दिया गया। नतीजतन, विभाग की कार्रवाई केवल नाममात्र के सैंपल लेने और मामूली जुर्माना लगाने तक ही सीमित रह गई। जाँच ठंडी पड़ते ही यह कारोबार फिर से दोगुनी रफ़्तार से शुरू हो गया।

लंबे समय से जमे अधिकारियों पर उठ रहे सवाल

स्थानीय निवासियों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। जिले में सालों से पदस्थ कर्मचारियों और अधिकारियों की शिथिलता के कारण ही मिलावटखोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

ग्रामीणों की प्रमुख माँगेंः बुरहानपुर से दरियापुर, डोइफोड़िया और खकनार मार्ग पर औचक नाकेबंदी कर वाहनों की जाँच की जाए।

सूचना लीक करने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए खाद्य पदार्थों की उच्च स्तरीय प्रयोगशाला में जाँच कराई जाए और आरोपियों पर गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज हो।

जनसुनवाई में पहुंचा सूरजपुरा का ग्रामीण, अब तक नहीं मिला आवास; पंचायत में सचिव, सरपंच और रोजगार सहायक की कुर्सियां मिलीं खाली

शिवम प्रजापति

मेहंदवानी। जनपद पंचायत मेहंदवानी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सूरजपुरा में आवास से जुड़ी समस्या का मामला सामने आया है। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में सूरजपुरा गांव के निवासी गोधनदास पनरिया अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके आवास का लाभ अभी तक नहीं मिल पाया है, जबकि उनके द्वारा संबंधित आवेदन और आवश्यक जानकारी पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक आवास नहीं मिलने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



आवेदन देने के बाद भी आवास का इंतजार

जनसुनवाई में अपनी समस्या बताते हुए गोधनदास पनरिया ने कहा कि वह अपने आवास के संबंध में पहले भी आवेदन कर चुके हैं और आवश्यक जानकारी भी दे चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक उन्हें आवास का लाभ नहीं मिला है। इसी समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर वह मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे, ताकि उनकी समस्या संबंधित अधिकारियों तक पहुंचे और उन्हें शासन की आवास योजना का लाभ मिल सके। ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि गोधनदास पनरिया की आवास संबंधी समस्या का निराकरण कब तक किया जाता है।

पंचायत में जिम्मेदारों की कुर्सियां मिलीं खाली

वहीं, ग्राम पंचायत सूरजपुरा में मौके पर सचिव, सरपंच और रोजगार सहायक की कुर्सियां खाली मिलने की बात भी सामने आई। ऐसे में पंचायत में अपने काम से पहुंचने वाले ग्रामीणों को संबंधित जिम्मेदारों से मिलने और अपनी समस्याएं रखने में परेशानी हो सकती है। हालांकि, संबंधित कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के मौके पर मौजूद नहीं होने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। यह भी स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि वे उस समय कहां थे और क्या किसी अन्य शासकीय कार्य में व्यस्त थे।

अब जिम्मेदारों से जवाब की उम्मीद

ग्राम पंचायत सूरजपुरा के इस मामले में अब यह देखना होगा कि गोधनदास पनरिया को आवास का लाभ कब तक मिल पाता है और उनकी समस्या के निराकरण के लिए संबंधित विभाग द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं। साथ ही, पंचायत में सचिव, सरपंच और रोजगार सहायक की अनुपस्थिति के संबंध में भी स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है, ताकि ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। अब सवाल यह है कि जब ग्रामीण आवेदन और आवश्यक जानकारी देने के बाद भी आवास के लिए भटक रहे हैं, तो उनकी समस्या का समाधान आखिर कब होगा?

सारसडोली में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण संपन्न



शिवम प्रजापति

प्रशिक्षण के साथ ग्रामीणों की आंखों की जांच भी की गई

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्यप्रदेश शासन) की नवांकुर योजना अंतर्गत 27 अक्टूबर 2026 को विकासखंड मेहदवानी की ग्राम पंचायत सारसडोली में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य, नवांकुर संस्था प्रमुख पवन कुमार, पीआर मेंटर दीपेंद्र साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर दासोदा भलावी, ग्राम पंचायत सारसडोली के सरपंच बलराम बनवासी तथा नेत्र सहायक आशुतोष मिश्रा एवं नारायण दीक्षित सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम विकास में प्रस्फुटन समितियों की भूमिका, जनभागीदारी, सामाजिक जागरूकता तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने के संबंध में जानकारी दी गई। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। प्रस्फुटन समितियां शासन और ग्रामीण समुदाय के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं तथा सामाजिक विकास में अहम योगदान देती हैं।

कार्यक्रम के दौरान नेत्र सहायकों आशुतोष मिश्रा एवं नारायण दीक्षित द्वारा ग्रामीणों की आंखों की जांच भी की गई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान कर आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और जनकल्याणकारी गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस प्रकार प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

खबर का असर

बुरहानपुर के बिजोरी में 7 लाख की लागत से बने सीसी रोड की शुरू हुई मरम्मत, ग्रामीणों ने की गुणवत्ता की जांच की मांग

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

गत सप्ताह हमारे समाचार पत्र में खकनार ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिजोरी में विकास कार्यों को लेकर "खकनार के बिजोरी में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 7 लाख का सीसी रोडः 6 महीने में ही उखड़ी गिट्टियां, लीपापोती की तैयारी में जिम्मेदार" शीर्षक से एक प्रमुख खबर प्रकाशित की गई थी। इस खबर का असर अब मैदानी स्तर पर देखने को मिला है, जिसके बाद पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने सुध लेते हुए जर्जर हो चुके सीसी रोड की मरम्मत का कार्य शुरू करवा दिया है।

समाचार प्रकाशन के बाद हरकत में आया प्रशासन

खबर प्रकाशित होने और ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के तूल पकड़ने के बाद, प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद ट्यूबवेल से नदी की ओर जाने वाले उस मार्ग पर सुधार कार्य शुरू किया गया, जो निर्माण के महज छह महीने के भीतर ही जर्जर हो गया था।

ग्रामीणों की मांगः केवल लीपापोती नहीं, हो निष्पक्ष तकनीकी जांच

प्रशासन द्वारा रोड की मरम्मत का कार्य शुरू



खकनार के बिजोरी में

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा

7 लाख का सीसी रोड

किए जाने के बाद भी स्थानीय ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों में पूरी तरह संतोष नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि महज ऊपरी तौर पर सुधार कार्य करने से पुराने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। नागरिकों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सरकारी राशि का सदुपयोग हो, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न दोहराई जाए।

दो पंचायतों के प्रभार से बढ़ी लापरवाही की आशंका, सचिव की कार्यशैली पर उठे सवाल

ग्राम पंचायत सचिव के पास एक से अधिक पंचायतों का प्रभार होने के कारण विकास कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनकी कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है।

स्थानीय स्तर पर मिल रहे सूत्रों के अनुसार, सचिव के पास मौजूद अतिरिक्त प्रभार वाली पंचायत में भी विकास कार्यों में भारी अनियमितताएं होने की गहरी आशंका जताई जा रही है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच किए जाने की मांग लगातार जोर पकड़ रही है।

अगले अंक में जारी रहेगा जनहित का यह अभियान

ग्राम पंचायत बिजोरी में अन्य विकास कार्यों और निर्माण कार्यों को लेकर भी ग्रामीणों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। जनहित और पारदर्शिता को सर्वोपरि रखते हुए, ग्राम पंचायत बिजोरी के अन्य हिस्सों में चल रहे ऐसे ही संदेहास्पद विकास कार्यों की जमीनी हकीकत अगले अंक में फिर प्रमुखता से उजागर की जाएगी, ताकि शासन-प्रशासन के संज्ञान में लाकर जनता के हितों की रक्षा की जा सके।

महादेवी दिव्य धाम सेवा समिति की अनूठी पहल, मध्य प्रदेश में पहली बार सर्वरोग निवारण औषधि खीर का वितरण

पीठाधीश्वर पंडित राजेश शास्त्री जी महाराज के तत्वावधान में हुआ आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समिति के सदस्य रहे उपस्थित

राजेश धाकड़

इंदौर। धार्मिक आस्था, जनकल्याण और सेवा की भावना को लेकर महादेवी दिव्य धाम सेवा समिति द्वारा एक विशेष पहल की गई। समिति की ओर से पीठाधीश्वर पंडित राजेश शास्त्री जी महाराज के तत्वावधान में मध्य प्रदेश में पहली बार सर्वरोग निवारण औषधि खीर का वितरण किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं के साथ जनसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को औषधि खीर वितरित की गई। आयोजन में समिति के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में महादेवी दिव्य धाम सेवा समिति के रामनिवास नरोलीया, रजत पंडित, ब्रजभान सिंह, संजय कदम, अक्षय गेहलोत, अभिषेक अग्रवाल, कृष्णकांत दुबे, संदीप पवार,



मंडलोई जी एवं रोशन रायकवार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गोबर के दीये निर्माण से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आजीविका के नए अवसर

जिले में 35 लाख गोबर के दीये बनाने का लक्ष्य, 10 मशीनें एवं 187 संसाधन साखा केंद्र उपलब्ध

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। दीपावली पर्व के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, विदिशा द्वारा गोबर के दीये तैयार किए जा रहे हैं। वर्ष 2026-27 के लिए जिले में कुल 35 लाख गोबर के दीये तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं एवं ग्रामीण परिवारों को गोबर से आकर्षक एवं उपयोगी दीये तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए ग्रामीण समुदायों को अतिरिक्त आय का अवसर उपलब्ध होने के साथ-साथ दीपावली पर्व पर पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।जिले में गोबर के दीये बनाने के लिए 10 मशीनें उपलब्ध हैं। साथ ही 187 दीपक संसाधन साखा केंद्र उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से दीये निर्माण की गतिविधियों को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। विभागीय जानकारी के अनुसार अब तक जिले में 3 लाख 27 हजार 800 गोबर के दीये तैयार किए जा चुके हैं।जनपद पंचायतवार निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विदिशा में 5 लाख, कुरवाई में 5 लाख, नटेरन में 3 लाख, ग्यारसपुर में 5 लाख, बासौदा में 6 लाख, लटेरी में 6 लाख तथा सिरोंज में 5 लाख गोबर के दीये तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनपद पंचायत विदिशा में 1 मशीन एवं 24 संसाधन साखा केंद्र उपलब्ध हैं तथा अब तक 1 लाख 5 हजार दीये तैयार किए गए हैं। कुरवाई में 2 मशीनों और 36 केंद्रों के माध्यम से 80 हजार 800 दीये तैयार किए गए हैं। नटेरन में 3 मशीनें एवं 20 केंद्र उपलब्ध हैं और 25 हजार दीये तैयार किए जा चुके हैं। ग्यारसपुर में 19 केंद्रों के माध्यम से 36 हजार दीये तैयार हुए हैं। वहीं बासौदा में 3 मशीनें एवं 29 केंद्रों के माध्यम से 33 हजार, लटेरी में 1 मशीन एवं 35 केंद्रों के माध्यम से 32 हजार 500 तथा सिरोंज में 1 मशीन एवं 24 केंद्रों के माध्यम से 15 हजार 500 गोबर के दीये तैयार किए जा चुके हैं।गोबर के दीयों का निर्माण ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को मजबूत करने के साथ स्थानीय स्तर पर महिलाओं को उत्पादन एवं विपणन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे ग्रामीण परिवारों को दीपावली के दौरान अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिलेगा और पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ पर्यावरण अनुकूल गोबर के दीयों के उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। जिला पंचायत एवं मध्यप्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा जिले में गोबर के दीयों के निर्माण की गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के साथ अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को आजीविका के अवसरों से जोड़ा जा सके।

श्री आदिशंकराचार्य वर्णित आत्मैक्य बोध ही सहजयोग

वदन्तु शास्त्राणि यजन्तु देवान्
कुर्वन्तु कर्माणि भजन्तु देवताः।
आत्मैक्यबोधेन बिना विमुक्तिः
न सिध्यति ब्रह्मशतान्तरेऽपि ॥

श्री आदिशंकराचार्य

प. पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग आत्मबोध या आत्मतत्व की बात करता है। जब हम आत्म तत्व की बात करते हैं तो हमें लगेगा कि ये बड़ा जटिल विषय है।

आत्मा-परमात्मा, ये बातें हमें रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आनेवाली नहीं लगती। परंतु जीवन में हम सभी कुछ न कुछ खोज रहे हैं, और हमारी ये खोज तभी पूर्ण होगी जब हम हमारे आत्मतत्व को जान जाएंगे। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब उसे यह अनुभूति उसके हृदय में और उसके सूक्ष्म शरीर पर होती है। परंतु आज के विज्ञान के युग में हम भ्रमित हैं तथा माया और भ्रम का प्रभाव इतना अधिक है कि कई बार मानव सत्य को समझ नहीं पाता।



बाहर का आडंबर, कर्मकांड, छद्म, कट्टरता, अंधविश्वास को ही धर्म या योग समझ लेता है। इसलिये श्री आदिशंकराचार्य ने अपने शिष्यों को ग्रंथ 'विवेकचूडामणि' में वैज्ञानिक दृष्टीकोण से सत्य अनुभव करने को कहा। उपरोक्त वर्णित श्लोक में वे कहते हैं, भले ही कोई शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करे, सभी देवताओं का पूजन करे, सभी प्रकारके कर्मकांड करे, देवताओं का भजन करे परंतु जब तक जीव ध्यान के माध्यम से आत्मा में पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होता तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती। भले ही करोड़ों वर्ष क्यों न बीत जायें, मोक्ष के लिये आत्मा में स्थापित होना जरूरी है। प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि, आत्मसाक्षात्कार पाये बिना आत्मा में स्थित नहीं हो सकते। और जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो आप चित्त को अंतर्मुखी बनाकर अपने हृदय में या सहस्त्रार चक्र यानि कि ब्रह्मरंध्र पर स्थिर करने की कला सीख सकते हैं। और आप भूत व भविष्य के विचारों से मुक्त होकर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। निर्विचार ध्यान का अनुभव आपको अंदर से शक्तिवान और आनंदमयी बना देता है।

समस्त तनाव, परेशानियां, रोग, शोक आदि से आप मुक्त हो जाते हैं। इस अद्भुत व अकल्पनीय अनुभव को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा बेवसाइट - sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है

डिंडौरी में किसानों की समस्याओं पर बड़ा मंथन, 43 सूत्रीय मांगों से विभागों का ध्यान खींचा

धान की फसल के नुकसान का सर्वे, उपार्जन सीमा बढ़ाने, बिजली-पानी की समस्या दूर करने और नहरों की मरम्मत सहित विभिन्न मुद्दों पर कलेक्टर के समक्ष रखे प्रस्ताव



डिंडौरी। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत, जिला डिंडौरी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कलेक्टर डिंडौरी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, विद्युत, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, मत्स्य, कृषि उपज मंडी, वन और नापतौल विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मांगें रखी गईं। भारतीय किसान संघ ने रबी सीजन के लिए समय पर बीज वितरण, धान की फसल में बीमारी और कम बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कर मुआवजा देने, फसल बीमा राशि का भुगतान कराने, धान एवं गेहूं के उपार्जन की सीमा बढ़ाने, सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने और किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषय उठाए। संघ ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय स्तर पर ठोस पहल और प्रभावी निगरानी जरूरी है।

कृषि विभाग से संबंधित प्रमुख मांगें

भारतीय किसान संघ ने मांग की कि किसानों को रबी फसलों के बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। विकासखंड स्तरीय कार्यालयों में बीज एवं अन्य सामग्री की दर सूची, योजनाओं के नाम तथा योजनाओं से लाभान्वित होने वाले संभावित किसानों की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। पूर्व बैठकों में उठाए गए इन मुद्दों पर भी कार्रवाई की मांग की गई। संघ ने बताया कि जिले में कम बारिश और फसल में बीमारियों के कारण धान की फसल को नुकसान हुआ है। प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे कराकर नियमानुसार क्षतिपूर्ति तथा फसल बीमा कराने वाले किसानों को बीमा राशि दिलाने की मांग की गई। धान की फसल में फुदका कीट के प्रकोप को लेकर कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। संघ का कहना है कि समय पर कीट नियंत्रण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और उपचार उपलब्ध नहीं होने तथा कीटनाशक दुकानों की निगरानी में कमी के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। संघ ने कीटनाशक विक्रेताओं की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने और किसानों को उचित दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही धान का उपार्जन प्रति हेक्टेयर 22 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल तथा गेहूं का उपार्जन 18 क्विंटल से बढ़ाकर 35 क्विंटल करने की मांग दोहराई गई। संघ ने कहा कि यह मांग पिछले तीन वर्षों से उठाई जा रही है। फसल कटाई प्रयोग की सूचना भारतीय किसान संघ को देने, बीज वितरण की अनुदान राशि किसानों के खातों में तत्काल जमा कराने तथा संबंधित सूची सार्वजनिक करने की मांग भी रखी गई। इसके अतिरिक्त जिला, राज्य और अंतरराज्यीय कृषक भ्रमण कार्यक्रमों की जानकारी 15 दिन पहले सार्वजनिक करने और विकासखंड एवं जिला स्तरीय किसान कल्याण सलाहकार समितियों में संघ के प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग की गई।

कृषि अनुसंधान केंद्र की गतिविधियों में पारदर्शिता की मांग- कृषि अनुसंधान केंद्र में किन-किन फसलों एवं बीजों पर अनुसंधान किया जा रहा है, किन गांवों को गोद लिया गया है और वहां किन बीजों का प्रयोग किया जा रहा है, इसकी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की गई। अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए किसानों का चयन किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है, इसे भी स्पष्ट करने की बात कही गई।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लक्ष्य बढ़ाने पर जोर

उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत स्थायी ढांचा, फेंसिंग तार, पावर टिलर और अन्य योजनाओं का लक्ष्य बढ़ाने की मांग की गई। संघ ने इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने तथा कृषक भ्रमण कार्यक्रमों की जानकारी 15 दिन पूर्व सार्वजनिक करने की आवश्यकता बताई।

पशुओं के उपचार, टीकाकरण और बीमा की मांग

पशु चिकित्सा विभाग में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और पशुओं का समय पर उपचार कराने की मांग उठाई गई। जिले में पशु टीकाकरण समय पर कराने तथा सभी पशु चिकित्सा केंद्रों और चलित पशु चिकित्सा वाहनों में रेबीज के इंजेक्शन उपलब्ध कराने की बात कही गई। संघ ने जिला कार्यालय में संलग्न फील्ड अधिकारियों को वापस मैदानी कार्य में भेजने, विभागीय योजनाओं का दीवार लेखन के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने और पशुओं का बीमा कराने की मांग भी रखी, ताकि पशुपालकों को योजनाओं का लाभ मिल...

वन विभाग की बड़ी कार्यवाही

देवगांव में सर्च वारंट जारी कर 15 नग अवैध सागौन लकड़ी किया जब्त

छुरा। वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण तथा वन संपदा की सुरक्षा को लेकर वन विभाग लगातार सतर्कता बरत रहा है। इसी कड़ी में वन विभाग की टीम ने 26 अक्टूबर को वनमंडल गरियाबंद के अंतर्गत वन परिक्षेत्र छुरा के ग्राम देवगांव में छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में अवैध सागौन लकड़ी बरामद की है। सर्च वारंट तामील कर घर से जप्त किए सागौन की लकड़ी : छुरा परिक्षेत्र के अमेठी वृत्त अंतर्गत बोटरबांधा परिसर स्थित ग्राम देवगांव में शिव साहू (उम्र 49 वर्ष), पिता साधू राम साहू के घर पर सर्च वारंट की तामिली कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के परिसर से कुल 15 नग सागौन (लकड़ी) काष्ठ (मात्रा 0.863 घन मीटर) जप्त किया गया। जप्त लकड़ियों में 9 नग सागौन लट्ठा (0.797 घन मीटर) और 6 नग सागौन चिरान (0.066 घन मीटर) शामिल हैं। वन विभाग ने उक्त (लकड़ी) काष्ठ को नियमानुसार जब्त कर वन अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई- प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन प्रमुख अरुण पाण्डेय (भा.व.से.) के मार्गदर्शन, मुख्य वन संरक्षक मणिशासगन एम. (भा.व.से.) के निर्देश तथा वनमंडलाधिकारी गरियाबंद मयंक पाण्डेय (भा.व.से.) के निर्देशन व निगरानी में संपन्न हुई। कार्यवाही में उपवनमंडलाधिकारी राजिम मनोज चंद्राकर (रा.व.से.) के सहयोग से वन परिक्षेत्र अधिकारी छुरा मुकेश बैस प्रशिक्षु (स.व.सं.) के नेतृत्व में वन अमले ने दबिश देकर यह सफलता हासिल की।



अवैध कटाई पर जारी रहेगी सख्त निगरानी- वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की सुरक्षा, अवैध कटाई और वन अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण रखने के लिए सघन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। आरोपी के खिलाफ विधिक प्रावधानों के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध कटाई को रोकने के लिए अधिकारी कर्मचारी ने कार्यवाही करना शुरू कर दिया है और वनमंडलाधिकारी मयंक पांडेय के निर्देश में उपमंडलाधिकारी मनोज चंद्राकर एवं वनपरिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षु लोकेश बैस के नेतृत्व में पूरी कार्यवाही की गई , छापा मार कार्यवाही में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, अमेठी सतीश सिन्हा, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी छुरा, मनबोधन टंडन,सहायक परिक्षेत्र अधिकारी रसेला, कृष्ण कुमार साहू शामिल रहे साथ ही वन रक्षक तुलसी ध्रुव,देवराम साहू,ईशु जोशी ,घनश्याम ध्रुव,युवराज नेताम,शिवलाल मरकाम ,साहिल सिंह,हिमांशु,यादराम सिन्हा, छमेश्वर साहू, ओमेश साहू की कार्यवाही में सक्रिय भूमिका रही । उपमण्डलाअधिकारी मनोज चंद्राकर ने बताया कि अवैध कटाई पर वन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सतत निगरानी और आवश्यक कार्यवाही जारी रहेगी ।

तनाव आज अनेक बीमारियों की जड़ बन चुका है

ऐसे में सकारात्मक सोच और राजयोग ध्यान बहुत जरूरी- ब्रह्माकुमारी शोभा दीदी

धर्मेन्द्र गुप्ता

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली में बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र में सिंगरौली से राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शोभा दीदी, बीके अंजू दीदी, प्रियंका बहन, जबलपुर से केसरी प्रसाद पांडे, भोपाल से ब्रह्माकुमार दीपेंद्र भाई जी का आगमन हुआ जिनके सान्निध्य में "हीलिंग फ्रॉम विदिन" विषय पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंतरिक शांति, मानसिक सशक्तिकरण तथा आत्मिक उपचार (हीलिंग) पर गहन मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बी.के. शोभा दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय के तमोप्रधान वातावरण में मन को सशक्त बनाकर ही वास्तविक हीलिंग



संभव है। उन्होंने कहा, "जैसे माता-पिता अपने बच्चों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं, वैसे ही परमात्मा भी हमारी सहायता के लिए सदैव उपलब्ध हैं। प्रश्न यह है कि हम स्वयं परमात्मा से कितना जुड़ते हैं।" आज विश्व में व्याप्त दर्द और अशांति से मुक्ति के लिए आंतरिक परिवर्तन और सृष्टि-परिवर्तन की आवश्यकता पर उन्होंने विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पहले मनुष्य कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए मन और शरीर दोनों से सशक्त था, किंतु आधुनिक साधनों ने जीवन को भले ही सुविधाजनक बनाया हो, मन को कमजोर कर दिया है। तनाव आज अनेक बीमारियों की जड़ बन चुका है। ऐसे में सकारात्मक सोच और राजयोग ध्यान के माध्यम से अपने घर और समाज के वातावरण को परिवर्तित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उदाहरण देते हुए उन्होंने उस चिड़िया की कथा का उल्लेख किया, जो जंगल की आग बुझाने के लिए अपनी चोंच में समुद्र का जल भरकर आग पर डालती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आत्मा यदि परमात्मा जो प्रेम, शांति और शक्तियों का सागर हैं से शक्ति लेकर वातावरण में फैलाए, तो क्रोध, चिंता, भय, ईर्ष्या और नकारात्मकता की अग्नि स्वतः शांत होने लगेगी। सिंगरौली से पधारी ब्रह्माकुमारी अंजू दीदी ने दैनिक जीवन में अभ्यास हेतु मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सुबह का पहला आधा घंटा स्वयं के लिए निकालें, प्रतिदिन छोटे-छोटे पॉज़ लेकर "मैं आत्मा शांत स्वरूप हूँ" का स्मरण करें, सभी के प्रति शुभ भाव रखें और भोजन-पानी को भी परमात्मा की स्मृति में ग्रहण करें। उन्होंने राजयोग ध्यान को आंतरिक प्यूरीफायर बताते हुए इसे सीखने का आग्रह किया। ब्रह्माकुमार दीपेंद्र भाई जी ने कहा की वर्तमान समय अनेकता के कारण वह स्नेह, आपसी सद्भावना, प्यार, विश्वास और बंधुत्व की भावना बदलती जा रही है। उसकी जगह स्वार्थ, अविश्वास, घृणा, नफरत, बदले की भावना और नकारात्मकता ने अपना स्थान ले लिया है। अगर हमें फिर से वही पुरानी एकता और विश्वास की संस्कृति को लाना है तो आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग का सहारा लेना होगा। संचालिका बी.के. रुक्मणी दीदी ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों का स्नेहपूर्ण स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में राजयोग मेडिटेशन की संक्षिप्त कमेंट्री द्वारा उपस्थित जनसमूह को गहन शांति का अनुभव कराया गया।

इंदौर जिले में निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जारी किए आदेश

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

इंदौर जिले में औसत से काफी कम वर्षा होने और भू-जल स्रोतों के अत्यधिक दोहन के कारण पेयजल स्रोतों एवं नलकूपों का जल स्तर तेजी से गिर रहा है।

आगामी समय में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने इंदौर जिले के संपूर्ण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। साथ ही, मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम, 1986 एवं संशोधन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत जिले में अशासकीय एवं निजी नलकूप खनन पर आज से आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगाया गया है। कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (जल प्रदाय), नगर पालिक निगम इंदौर एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (ग्रामीण), जिला इंदौर द्वारा गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की गई थी आदेश के अनुसार जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर अवैध रूप से प्रवेश करने वाली अथवा नलकूप खनन एवं बोरिंग का प्रयास करने वाले एवं मशीनों को जप्त किया जाएगा। संबंधित राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम अधिकारियों को मशीनें जप्त करने और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई कराने का अधिकार दिया गया है। मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम की धारा 3 या धारा 4 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 2,000 रुपये तक के जुर्माने, दो वर्ष तक का कारावास या दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान है। शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किए जाने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा। वहीं, आवश्यकता पड़ने पर निजी जलकूपों एवं अन्य विद्यमान निजी जल स्रोतों का सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत अधिग्रहण किया जा सकेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा।

राहत एवं बचाव कार्य, CPR और करियर ओरिएंटेड प्रशिक्षण

धर्मेन्द्र गुप्ता

65 छात्र-छात्राओं को दिया राहत एवं बचाव कार्य, CPR तथा करियर ओरिएंटेड प्रशिक्षण विदिशा।

मेरा युवा भारत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में जिला सेनानी विदिशा के मार्गदर्शन में SATI पॉलिटेक्निक कॉलेज, विदिशा में राहत एवं बचाव कार्य, CPR (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) तथा करियर ओरिएंटेड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी देने के साथ जीवनरक्षक कौशल से परिचित कराना तथा उनके व्यक्तित्व एवं करियर विकास के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व पी.सी. रश्मि दुबे, प्लाटून कमांडर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कॉलेज के 65 छात्र-छात्राओं को विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली राहत एवं बचाव की प्राथमिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय सजगता और सूझबूझ के साथ कार्य करने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम चौरल में सरपंच अशोक सैनी के द्वारा शरद पूर्णिमा पर गरबा प्रतियोगी बालिकाओं को सम्मान स्वरूप पुरस्कार वितरण किया

महू-इंदौर- महू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया नवरात्रि में ग्राम पंचायत चौरल में गरबा महोत्सव मनाया जाता है जिसके तहत पिछले 39 वर्षों से शरद पूर्णिमा पर प्रतियोगी बालिकाओं को सम्मान स्वरूप पुरस्कार वितरण किया जाता है।

इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में अशोक सैनी द्वारा 21 किलो का घंटा वितरित किया गया मुख्य रूप से कार्यक्रम में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, सरपंच अशोक सैनी, महू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जुगनू जादवसिंह धनावत, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भूरू भाई, मंडलम अध्यक्ष राजेश पाटीदार, शैलेश जाट,धर्मेंद्र डाकसे, घासीराम औसारी, देवीराम, मेवालाल,



शिवराम, जादूराम, सुभाष सिंह, जयमल, बाबू वसुनिया, अर्जुन कैलवा, दीपक सैनी, हेमंत शर्मा, बबलू ठाकुर, काव्यांश सैनी, अश्विन चौहान, अमन सगर, हेमराज सैनी, संजू सैनी, सीताराम कौशल, शानू सैनी, मुकेश बुंदेला, संजय सैनी, अंकित सैनी, बंटी खनूजा, सुनील गुर्जर, वेदांत, सावन मीणा, नकुल सैनी इत्यादि मौजूद रहे और अतिथियों द्वारा प्यारे बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। राशी सैनी ने अपने शब्दों से बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाया।

कार्यक्रम पश्चात खीर का वितरण किया गया मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में धर्म प्रेमी जनता और माता बहने उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सावन मीणा ने किया और आभार आयोजक सरपंच अशोक सैनी ने माना।

बुरहानपुर के खकनार कला में स्कूल परिसर को लेकर दो विभागों में असमंजस, निर्माण कार्य पर सहमति नहीं

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

खकनार कला स्थित शासकीय कन्या माध्यमिक स्कूल परिसर में नया निर्माण कराने को लेकर जनजातीय कार्य विभाग और जिला शिक्षा केंद्र के बीच असमंजस की स्थिति निर्मित हो गई है। हाल ही में दोनों विभागों के अधिकारियों व तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने स्कूल परिसर का संयुक्त निरीक्षण किया, लेकिन स्थल उपयोग को लेकर आपसी सहमति नहीं बन सकी। निरीक्षण के दौरान जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा इस परिसर में उत्कृष्ट बालिका छात्रावास का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए जिला प्रशासन की ओर से भूमि आवंटन की अनुमति भी दी जा चुकी है।



दूसरी ओर, डीपीसी विभाग के तकनीकी अधिकारियों ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इस परिसर के लिए पूर्व से स्वीकृत 5 नए अतिरिक्त कमरों और बालक-बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाना है। डीपीसी विभाग का तर्क है कि वर्तमान में यह विद्यालय स्थान की कमी के कारण दो शिफ्टों में संचालित हो रहा है। यदि स्वीकृत अतिरिक्त कमरे बन जाते हैं, तो पूरा स्कूल एक ही समय में व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकेगा। साथ ही, अधिकारियों ने जोर दिया कि स्कूल परिसर में पर्याप्त खुला स्थान होना आवश्यक है ताकि बच्चों के खेल-कूद और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित की जा सकें।

मामले में अधिकारी का बयान

जनजातीय कार्य. विभाग के सहायक आयुक्त ने कहा कि हमको कलेक्टर सर द्वारा जगह आवंटित की गई है हम कलेक्टर के आदेश का पालन करेंगे अगर कलेक्टर नई जगह आवंटित करेंगे तो वहाँ छात्रावास बनाएगे नहीं तो वही बनेगा

जिला शिक्षा केंद्र बुरहानपुर के सहायक यंत्री ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा "हम लोग यहाँ कन्या माध्यमिक शाला खकनार कला में इसलिए आए थे, क्योंकि यहाँ हॉस्टल भवन और माध्यमिक शाला भवन दोनों स्वीकृत हुए हैं। चूँकि दोनों भवन एक ही परिसर में बनने हैं, इसलिए हॉस्टल इस तरह बने कि माध्यमिक शाला का भवन आसानी से बन सके और बच्चों के खेलने व प्रार्थना के लिए पर्याप्त जगह बचे। हमने चर्चा की है कि हॉस्टल को 5-7 मीटर आगे सरकाकर बनाया जाए। फिलहाल आपसी सामंजस्य नहीं बन पाया है। हमारी मंशा है कि परिसर में स्थित जर्जर क्वार्टर को हटाकर वहाँ हॉस्टल का निर्माण किया जाए, ताकि वर्तमान में अच्छी स्थिति वाले कक्षाओं को तोड़ना न पड़े।"

एक ही परिसर में दो अलग-अलग निर्माण प्रस्तावों और विभागों के बीच खिंचतान के बाद अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पर क्या रुख अपनाता है, ताकि बच्चों की शिक्षा और छात्रावास दोनों का सही समाधान निकल सके।

कम वर्षा को देखते हुए रबी फसलों की तैयारी पर कलेक्टर ने दिए दिशा-निर्देश

धर्मेन्द्र गुप्ता

किसान संघ एवं कृषि-संबद्ध विभागों की बैठक में सिंचाई, बिजली, उर्वरक, बीज एवं फसल बीमा की व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा विदिशा। कम वर्षा के कारण आगामी रबी मौसम में संभावित प्रभावों को ध्यान में रखते हुए किसानों के हित में आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में किसान संघ तथा कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में रबी फसलों के लिए पानी, बिजली, खाद-बीज की उपलब्धता, फसल बीमा तथा किसानों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके निराकरण की अद्यतन स्थिति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए किसानों को ऐसी फसलों एवं किस्मों के चयन के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया, जिनमें अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने कम पानी चाहने वाली गेहूं की किस्मों की बोवनी करने तथा आवश्यकता के अनुसार गेहूं के स्थान पर दलहनी फसलों में चना, मसूर, मटर तथा तिलहनी फसलों में सरसों, अलसी आदि की खेती को बढ़ावा देने की बात कही। इससे उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के साथ ही किसानों को मौसम की परिस्थितियों के अनुरूप फसल विविधीकरण का लाभ मिल सकेगा। बिजली एवं सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक में विद्युत विभाग द्वारा किसानों को सिंचाई के लिए आवश्यक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के संबंध में आश्वस्त किया गया। वहीं सिंचाई विभाग द्वारा नहरों में पानी समय पर छोड़े जाने तथा सिंचाई के दौरान पानी की बचत एवं समुचित उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने उपलब्ध जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा किसानों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही। उर्वरक वितरण व्यवस्था में समय बढ़ाया रबी मौसम में किसानों को उर्वरक की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मार्केट के गोदामों के संचालन का समय बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अब गोदामों में सुबह 8:30 बजे से रात 8:30 बजे तक उर्वरक का वितरण किया जाएगा।

कौशिल्या देवी साय कोरबा पहुंची: छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने किया अभिनंदन



कोरबा। बिते कल 28 अक्टूबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी, आदिवासी कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाज सेविका श्रीमती कौशिल्या देवी साय कोरबा के अल्प प्रवास पर पहुंची। वे एक शो रूम के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुईं। कोरबा पहुंचने पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में श्रीमती कौशिल्या देवी साय का अभिनंदन किया और बुके देकर उनका हृदय से स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू सहित जिला सचिव जयकुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह, अनिल गिरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पथरिया पुलिस की त्वरित कार्रवाईः 80 वर्षीय वृद्ध से लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, एक विधि विरुद्ध बालक अभिरक्षा में, 9,000 नगद एवं चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

धर्मेन्द्र गुप्ता

थाना पथरिया क्षेत्र में 80 वर्षीय वृद्ध के साथ मारपीट कर लूट की वारदात करने वाले आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए पथरिया पुलिस ने 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार किया तथा एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई 9,000 की राशि एवं वारदात में प्रयुक्त चोरी की होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद की है। फरियादी कमरुद्दीन खां, उम्र 80 वर्ष, निवासी ग्राम नरखेड़ा, थाना बहादुरपुर, जिला अशोकनगर ने थाना पथरिया में रिपोर्ट



दर्ज कराई कि वह ग्राम राजपुर से अपनी बेटी के घर ग्राम लखनाखेड़ा जा रहे थे। ग्राम बमुलिया ताल एवं लखनाखेड़ा के बीच लखनाखेड़ा मोड़ पर मोटरसाइकिल सवार दो युवक उनके पास आए और लिफ्ट देने के बहाने उन्हें अपने साथ बैठा लिया। कुछ दूर जाने के बाद आरोपी उन्हें दूसरे रास्ते पर ले गए। फरियादी द्वारा पूछने पर दोनों ने उन्हें मोटरसाइकिल से उतारकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे उनके घुटनों, हाथों एवं सिर में चोटें आईं। इसके बाद आरोपी उनके पास रखे 9,000 छीनकर फरार हो गए। थाना पथरिया में अपराध क्रमांक 163/26, धारा 309(6) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं एसडीओपी कुरवाई सुश्री रोशनी सिंह के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी पथरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार किया तथा एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया।नदीम पिता अजीम खां, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम राजपुर। एक विधि विरुद्ध बालक।

लूट की राशि 9,000 नगद।वारदात में प्रयुक्त चोरी की होंडा शाइन मोटरसाइकिल।उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रोहित कौरव, सहायक उपनिरीक्षक सत्यनारायण एक्के, प्रधान आरक्षक भगवानदास कुशवाह, जितेन्द्र यादव, संजेश दुबे तथा आरक्षक रवि जादौन, रवि कुशवाह, सुखजिन्दर सिंह, जयप्रकाश एवं सोनू यादव की भूमिका रही।

सत्ता में भाजपा, फिर भी 'लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ' आंदोलन!

आखिर लोकतंत्र को खतरा किससे?

केंद्र और मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार, फिर भी लोकतंत्र बचाने के लिए सड़कों पर उतरने की तैयारी; इंदौर में 30 अक्टूबर को पदयात्रा प्रस्तावित

दैनिक रणजीत टाइम्स
विशेष राजनीतिक रिपोर्ट

इंदौर, । मध्यप्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ' अभियान ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बहस को जन्म दिया है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार कार्यरत है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल द्वारा लोकतंत्र बचाने के नाम पर आंदोलन चलाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भाजपा ने प्रदेश में इस अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों और पदयात्राओं की तैयारी की है। इंदौर में 30 अक्टूबर को प्रस्तावित पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की जानकारी सामने आई है।

सत्ता में रहते हुए लोकतंत्र बचाने का अभियान क्यों?

भाजपा का कहना है कि विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। पार्टी अपने अभियान के माध्यम से इन आरोपों का जवाब देना और जनता को जागरूक करना चाहती है। दूसरी ओर, यह सवाल भी उठता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सत्तारूढ़ दल की संवैधानिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी क्या है? जब शासन की बागडोर स्वयं भाजपा के हाथों में है, तो लोकतंत्र के सामने कौन-सी ऐसी चुनौतियां हैं जिनके समाधान के लिए राजनीतिक आंदोलन आवश्यक हो गया है? यह सवाल केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। किसी भी सत्तारूढ़ दल के लिए लोकतंत्र की रक्षा का अर्थ संस्थाओं की स्वतंत्रता, कानून का समान पालन, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है।

इंदौर में 30 अक्टूबर को पदयात्रा

प्रकाशित समाचारों के अनुसार भाजपा की



प्रस्तावित पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी की तैयारी है। भाजपा इस अभियान के माध्यम से विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने के साथ कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से संवाद स्थापित करना चाहती है। वहीं, कांग्रेस की ओर से पदयात्रा के समय को लेकर आपत्ति सामने आई है। दीपावली के पहले बाजारों में भीड़, यातायात और व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

लोकतंत्र को लेकर दोनों पक्षों की अपनी दलीलें

भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विपक्ष के आरोपों को अनुचित बताती है और अपने अभियान को जनजागरण का प्रयास कहती है। विपक्ष की ओर से चुनावी प्रक्रिया और संस्थागत पारदर्शिता पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। लोकतंत्र में इन सवालों का जवाब तथ्यों, नियमों और पारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से दिया जाना आवश्यक है। सत्ता में रहने वाले राजनीतिक दल को भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन और अभियान चलाने का अधिकार है। लेकिन उसके साथ शासन की जवाबदेही भी जुड़ी होती है।

नारों के साथ ठोस जवाब भी जरूरी

'लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ' जैसे नारे जनता का ध्यान आकर्षित करते हैं, लेकिन इनके साथ कुछ बुनियादी प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर मिलना भी आवश्यक है।

भाजपा जिस अराजकता की बात कर रही है, उसका ठोस आधार क्या है?

लोकतांत्रिक संस्थाओं पर उठ रहे सवालों का तथ्यात्मक जवाब क्या है?

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार कौन-से प्रशासनिक और संस्थागत कदम उठा रही है?

क्या इस अभियान में विपक्ष और आम नागरिकों की चिंताओं पर भी संवाद होगा?

लोकतंत्र की असली परीक्षा जवाबदेही में

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव जीतने या राजनीतिक रैलियां आयोजित करने से निर्धारित नहीं होती। स्वतंत्र संस्थाएं, निष्पक्ष चुनाव, नागरिक अधिकार, जवाबदेह प्रशासन और असहमति का सम्मान भी इसके महत्वपूर्ण आधार हैं। सरकार और विपक्ष दोनों की भूमिका अलग-अलग है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जिम्मेदारी दोनों की है। भाजपा के इस अभियान से एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आया है—लोकतंत्र की रक्षा के लिए राजनीतिक नारों के साथ कौन-से ठोस कदम उठाए जाएंगे? इंदौर में प्रस्तावित पदयात्रा के दौरान पार्टी नेतृत्व इस सवाल का क्या जवाब देता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

दैनिक रणजीत टाइम्स का सवालः जब सरकार स्वयं सत्ता में है, तो लोकतंत्र बचाने के अभियान में उसकी अपनी जवाबदेही कितनी स्पष्ट है?









लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान

पदयात्रा मार्ग का निरीक्षण

इंदौर। लोकतंत्र बचाओ - अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत भाजपा द्वारा 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से सुभाष नगर चौराहे से पाटनीपूरा चौराहे तक लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा निकाली जाएगी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, चंदुराव शिंदे, सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले सहित अन्य नेताओं ने आज दोपहर पदयात्रा मार्ग का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। सभी नेताओं, जनप्रतिनिधियों ने पदयात्रा मार्ग का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश भी जारी किए। पदयात्रा का समापन पाटनीपूरा चौराहे पर सभा के साथ होगा। पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मध्य-प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रभारी विप्लव देव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित कई बड़े



नेता मंत्री और संगठन पदाधिकारी भी पदयात्रा में शामिल होंगे। पदयात्रा के माध्यम से एसआईआर प्रक्रिया की सत्यता के साथ ही विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नरेटिव से भी अवगत कराया जाएगा। निरीक्षण में मीडिया प्रभारी वरुण पाल, विवेक सिन्हा, सह मीडिया प्रभारी रितेश शर्मा, नितिन शर्मा, नागेश पंवार, पवन पंवार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, लेकिन विपक्ष के नेता, इंडी गठबंधन के सभी घटक दल अराजकता फैलाकर देश के लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं। देश की जनता जागरूक है, विपक्ष की इन हरकतों का मुँहतोड़ जवाब देगी। पदयात्रा में सभी समाज, कॉंग्रेस की देश तोड़ने की नीति, अराजकता फैलाने वाली नीतियों को उजागर करेंगे।

लगातार बैठकों का दौर जारी, 250 सामाजिक संगठनों की परिसर बैठकें सम्पन्न- भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा के निमित्त भाजपा द्वारा विभिन्न समाजों, संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, खेल संगठनों, सामाजिक, एनजीओ, व्यापारी, उद्योगपतियों, एसोसिएशन बैठकें जारी है, 250 से अधिक सामाजिक संगठनों की परिसर बैठकें सम्पन्न हो चुकी है। पदयात्रा में शामिल होने के लिए विभिन्न समाजों, संगठन, व्यापारी संगठनों ने स्वयं अपने-अपने बैनरों के साथ शामिल होने की बात कही है।

जगन्नाथ का रथ तभी आगे बढ़ेगा
जब सबका हाथ लगेगा



आरएसएस के चरैवेति एकत्रीकरण में अतुल लिमये का संदेश, समाज की सहभागिता पर दिया जोर

राजेश धाकड़

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के समापन कार्यक्रमों के अंतर्गत इंदौर विभाग का चरैवेति एकत्रीकरण आयोजित हुआ। इसमें पांच जिलों के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ के सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने कहा कि देश और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी को साथ लेकर चलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ का रथ तभी आगे बढ़ेगा, जब सबका हाथ लगेगा। लिमये ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा को स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम का परिणाम बताते हुए व्यक्ति निर्माण, सेवा, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभाव को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान के लिए शासन और समाज, दोनों की सहभागिता जरूरी है। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और संघ प्रार्थना से हुई। स्वयंसेवकों ने सामूहिक योग प्रदर्शन किया।

विभाग कार्यवाह रित्लेश रघुवंशी ने शताब्दी वर्ष के दौरान इंदौर विभाग में आयोजित कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री, विभाग संघचालक डॉ. मुकेश मोढ और मुख्य अतिथि उद्योगपति एवं समाजसेवी प्रशांत शाह उपस्थित रहे। शाह ने राष्ट्र निर्माण में संघ के अनुशासन और देशभक्ति के महत्व को रेखांकित किया।

डिंडौरी में किसानों की समस्याओं पर बड़ा मंथन,
43 सूत्रीय मांगों से विभागों का ध्यान खींचा

डिंडौरी, ।भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत, जिला डिंडौरी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कलेक्टर डिंडौरी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, विद्युत, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, मत्स्य, कृषि उपज मंडी, वन और नापतौल विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मांगें रखी गईं। भारतीय किसान संघ ने रबी सीजन के लिए समय पर बीज वितरण, धान की फसल में बीमारी और कम बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कर मुआवजा देने, फसल बीमा राशि का भुगतान कराने, धान एवं गेहूं के उपार्जन की सीमा बढ़ाने, सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने और किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषय उठाए। संघ ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय स्तर पर ठोस पहल और प्रभावी निगरानी जरूरी है।

भारतीय किसान संघ ने मांग की कि किसानों को रबी फसलों के बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। विकासखंड स्तरीय कार्यालयों में बीज एवं अन्य सामग्री की दर सूची, योजनाओं के नाम तथा योजनाओं से लाभान्वित होने वाले संभावित किसानों की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। पूर्व बैठकों में उठाए गए इन मुद्दों पर भी कार्रवाई की मांग की गई। संघ ने बताया कि जिले में कम बारिश और फसल में बीमारियों के कारण धान की फसल को नुकसान हुआ है। प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे कराकर नियमानुसार क्षतिपूर्ति तथा फसल बीमा कराने वाले किसानों को बीमा राशि दिलाने की मांग की गई। धान की फसल में फुदका कीट के प्रकोप को लेकर कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए। संघ का कहना है कि समय पर कीट नियंत्रण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और उपचार उपलब्ध नहीं होने तथा कीटनाशक दुकानों की निगरानी में कमी के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। संघ ने कीटनाशक विक्रेताओं की दुकानों का नियमित निरीक्षण करने और किसानों को उचित दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही धान का उपार्जन प्रति हेक्टेयर 22 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल तथा गेहूं का उपार्जन 18 क्विंटल से बढ़ाकर 35 क्विंटल करने की मांग दोहराई गई। संघ ने कहा कि यह मांग पिछले तीन वर्षों से उठाई जा रही है। फसल कटाई प्रयोग की सूचना भारतीय किसान संघ को देने, बीज वितरण की अनुदान राशि किसानों के खातों में तत्काल जमा कराने तथा संबंधित सूची सार्वजनिक करने की मांग भी रखी गई। इसके अतिरिक्त जिला, राज्य और अंतरराज्यीय कृषक भ्रमण कार्यक्रमों की जानकारी 15 दिन पहले सार्वजनिक करने और विकासखंड एवं जिला स्तरीय किसान कल्याण सलाहकार समितियों में संघ के प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग की गई।

कृषि अनुसंधान केंद्र की गतिविधियों में पारदर्शिता की मांग

कृषि अनुसंधान केंद्र में किन-किन फसलों एवं बीजों पर अनुसंधान किया जा रहा है, किन गांवों को गोद लिया गया है और वहां किन बीजों का प्रयोग किया जा रहा है, इसकी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की गई। अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए किसानों का चयन किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है, इसे भी स्पष्ट करने की बात कही गई।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लक्ष्य बढ़ाने पर जोर

उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत स्थायी ढांचा, फेंसिंग तार, पावर टिलर और अन्य योजनाओं का लक्ष्य बढ़ाने की मांग की गई। संघ ने इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने तथा कृषक भ्रमण कार्यक्रमों की जानकारी 15 दिन पूर्व सार्वजनिक करने की आवश्यकता बताई।

पशुओं के उपचार, टीकाकरण और बीमा की मांग

पशु चिकित्सा विभाग में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और पशुओं का समय पर उपचार कराने की मांग उठाई गई। जिले में पशु टीकाकरण समय पर कराने तथा सभी पशु चिकित्सा केंद्रों और चलित पशु चिकित्सा वाहनों में रेबीज के इंजेक्शन उपलब्ध कराने की बात कही गई।